Title: Need to look into the problems of sugarcane growers of Eastern Uttar Pradesh - Laid.

श्री राजनारायण पासी (बांसगांव) : मेरे संसदीय क्षेत्र बांसगांव, जनपद गोरखपुर, उ.प्र. के अंतर्गत सरैया शूगर मिल है, जिसमें 3 हिस्सेदार हैं। उस मिल पर किसानों का लगभग 23 करोड़ रूपया बकाया है और चीनी मिल बंद हो चुकी है। जिन किसानों का रूपया चीनी मिल में बकाया है उन किसानों ने सरकारी अथवा अर्द्धसरकारी ऋण लिया हुआ है किसानों को ऋण वसूली के लिए तरह-तरह से परेशान किया जा रहा है तथा दूसरी ओर उक्त चीनी मिल पर उनका गन्ने मूल्य का जो बकाया है, उसको दिलाने के लिए सरकार कोई कदम उठा नहीं रही है। इस वजह से मेरे संसदीय क्षेत्र के किसानों में भारी रोा व्याप्त है।

यह विदित है कि पूर्वांचल में मुख्य उद्योग चीनी मिल ही है तथा गोरखपुर और बस्ती दोनों मंडलों में किसानों का लगभग 80 करोड़ रूपया चीनी मिलों पर बकाया है।

देश के किसी भाग में कोई प्राकृतिक आपदा आ जाती है तो केन्द्र सरकार अनुदान के रूप में तमाम धन दान स्वरूप आपदा कोा से दिया करती है। वर्तमान समय में पूर्वाचंल के किसानों को गन्ने का बकाया मूल्य न मिल पाना मेरी समझ से एक आपदा ही है। क्योंकि किसानों को गन्ने का बकाया न मिल पाने की वजह से वे भुखमरी के कगार पर पहुंच गये है तथा अपने बच्चों की शादी आदि भी नहीं कर पा रहे हैं।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि गोरखपुर व बस्ती के किसानों को उनके गन्ने का बकाया न मिलना दैवी आपदा मानकर आपदा कोा से उनको गन्ने की बकाया राशि का भुगतान कराया जाये। इस विाय में मेरा यह भी अनुरोध है कि सरकारी संरक्षण में चीनी मिल को चलाया जाये।

---

*Treated as Laid on the Table of the House.